The Pioneer 1/3/16 -FRI

Five-day training for preparation of bamboo handicrafts begins

PNS ■ DEHRADUN

The problems faced by the farmers and artisans in extracting bamboo from forest were among issues discussed at the start of a five-day training in preparation of bamboo handicrafts at the Forest Research Institute here on Monday.

FRI director Savita formally inaugurated the training programmed for artisans, farmers and small scale manufactures of Himachal Pradesh at the Common Facility Centre for Bamboo Processing and Training (CFC-BPT). Sponsored by Himachal Pradesh forest department, 22 participants from different regions of that State are attending the training.

The training will include practical demonstrations on chemical treatment of bamboo by boucherie technique, chemical seasoning of bamboo handicrafts using urea, use of ammonia fumigation technique and bamboo composite making. Artisans will be trained to prepare products like mats, baskets, trays, vases, table frames and other household items considering the different products that can be made from bamboo. Activities like colouring, weaving and fine splitting of bamboo will also be taught during the training.

Artisans will also be trained on various bamboo processing machines like cross cutter, slicer, node remover and splitter which have been installed at the Common Facility Center here. The training organisers said that the institute is in this way promoting a sustainable method of livelihood for villagers and small scale manufacturers.

The Pioneer 01-03-16

दून दर्पण 1/3/16 -FRI

बांस प्रसंस्करण एवं उत्पाद निर्माण पर प्रशिक्षण सामान्य सुविधा केन्द्र

देहरादून२९ फरवरी (एजेसी)वनोपज प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा 'बांस प्रसंस्करण एवं उत्पाद निर्माण पर' दिनांक २९ फरवरी- ०४ मार्च २०१६ तक पांच दिवसीय प्रशिक्षण सामान्य सुविधा केन्द्र आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण हिमाचल प्रदेश वन विभाग, सुंदरनगर, के निवेदन पर आयोजित किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से २२ प्रतिभागी (किसान, कारीगर एवं लघु पैमाने के निर्माता) इस प्रशिक्षण में भाग ले रहे हैं। वन अनुसंधाान संस्थान की निदेशिका डॉ. सविता ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घटान किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों के साथ बांस के वनों से जुड़े मुद्दों पर विचार विमर्श किया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य मूल्य संवर्द्धन और आजीविका के लिए कारीगरों को बांस प्रसंस्करण एवं उत्पाद निर्माण पर प्रशिक्षित करना है। अत: इस प्राशेक्षण के अन्तर्गत निम्नलिखित चीजें सिखाने का प्रावधान रखा गया है जिसमें मुख्य रूप से चटाई, टोकरी, फूलदान, ट्रे, फर्नीचर तथा रसोई में साग-सब्जियाँ रखने हेतु आकर्षक डिजाईन की वस्तुएं बनाना है। इस कार्यक्रम में बांस के उपयोग एवं बांस से बनाई जाने वाली हस्तशिल्प वस्तुओं के मूल्यवर्धन करने का प्रायोगिक प्रदर्शन करके प्रशिक्षण दिया जायेगा। सीएफसीबीपीटी में बांस प्रसंस्करण की मशीनें लगायी हैं। इन मशीनों पर भी प्रशिक्षण दिया जायेगा। इनका उद्देश्य मुख्यत: बांस की उपयोगिता बढ़ाना तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। इस कार्यक्रम में बांस संशोषण, बांस मैट बोर्ड, बांस परिरक्षण तथा बांस हस्तशिल्प उत्पादों में पॉलिश की तकनीकों के विषयों पर भी जानकारी दी जाएगी। इस कार्यक्रम का समन्यवन श्रीमती इस्मिता नौटियाल, वैज्ञानिक, वनोपज प्रभाग कर रही है। उद्घटान समारोह में वनोपज प्रभाग के समस्त वैज्ञानिकों एवं आमंत्रित शिक्षक भी उपस्थित थे। प्रभाग प्रमुख, डॉ. किशन कुमार वीएस ने संस्थान की निदेशिका, प्रशिक्षणार्थियों एवं समारोह में उपस्थित समस्त सज्जनों का धन्यवाद किया।

Doon Darpan 01-03-16

FRI holds training on "Preparation of Bamboo Handicrafts"

DEHRADUN, FEB 29 (HTNS)

Five day training on "Preparation of Bamboo Handicrafts" for artisans, farmers and small scale manufactures of Himachal Pradesh is being organized at the Common Facility Centre for Bamboo Processing and Training (CFC-BPT), Forest Products Division, Forest Research Institute from Feb 29 to Mar 4.

The Sunder Nagar Division of Himachal Pradesh Forest Department sponsors the training. Twenty-two participants from different regions of Himachal Pradesh are participating in the training programme. Director, Forest Research Institute, Dr Savita inaugurated the

keenly interacted with the participants. The problems faced by the farmers and artisans in extracting bamboos from forest area were also discussed.

The objective of the training is to train the artisans and small scale manufacturers from Himachal Pradesh on bamboo processing, seasoning, preservation and handicraft making for value addition and livelihood generation.

The trainees will be given practical demonstration on chemical treatment of bamboo by boucherie technique, chemical seasoning of bamboo handicrafts using urea, use of ammonia fumigation technique and bamboo composite making.

During the training, artisans will be trained to pre-

pare products like mats, baskets, trays, vases, table frames and other household items. There are multitudes of different products that can be made from bamboo, giving producers wide range of options.

In bamboo product making, many stages are involved. This creates an opportunity for value addition. Activities like colouring, weaving and fine splitting of bamboo will also be taught during the training. Artisans will also be trained on various bamboo processing machines like cross cutter, slicer, node remover, splitter etc., which have been installed at the Common Facility Center, Forest Research Institute.

The training programme is being coordinated by Ismita Nautiyal, Scientist, Forest Products Division, FRI. All scientists of the Forest Products Division and guest faculty also were present at the inaugural function.

Dr Kishan Kumar, Head, Forest Products Division proposed a vote of thanks.

The Himanchal Times 01-03-16

प्रशिक्षणार्थियों को बांस से जीवनोपार्जन का दिया मंत्र

देहरादून : वन अनुसंधान संस्थान के वनोपज प्रभाग द्वारा बांस प्रसंस्करण एवं उत्पाद निर्माण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का सोमवार को शुभारंभ हुआ। विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों के साथ बांस के वनों से जुड़े मुददों पर विचार विमर्श किया।

वन अनुसंधान संस्थान की निदेशिका डॉ. सविता ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रभाग प्रमुख डॉ. किशन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रशिक्षण का मुख्य उददेश्य मूल्य संवर्द्धन और आजीविका के लिए कारीगरों को बांस प्रसंस्करण एवं उत्पाद निर्माण पर प्रशिक्षित करना है। कार्यक्रम में बांस के उपयोग एवं बांस से बनाई जाने वाली हस्तशिल्प वस्तुओं के मूल्यवर्धन करने का प्रायोगिक प्रदर्शन करके प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम में बांस संशोषण, बांस मैट बोर्ड, बांस परिरक्षण तथा बांस हस्तशिल्प उत्पादों में पॉलिश की तकनीकों के विषयों पर भी जानकारी दी जाएगी। इस प्रशिक्षण में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से किसान, कारीगर एवं लघु पैमाने के निर्माताओं सहित 22 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम का समन्यवन वनोपज प्रभाग की वैज्ञानिक इस्मिता नौटियाल कर रही हैं।

Dainik Jagran 01-03-16